केदारनाथ से निकाल लिए गए हैं सब यात्री

प्रशासन का दावा, जंगलचट्टी में बनाया हेलीपेड

अमर उजाला ब्यूरो

- एनडीआएफ, आईटीबीपी ने चलाया सर्च एंड रेस्क्यू ऑपरेशन
- गुप्तकाशी से 1200 यात्रियों को दून, ऋषिकेश, हरिद्वार किया रवाना
- जंगलचट्टी में फंसे 50 लोगों को निकालने गया बचाव दल

रुद्रप्रयाग। रविवार को मौसम खराब होने के कारण सुबह साढ़े दस बजे गौरीकुंड में बारिश रुकने पर ही चॉपर से बचाव कार्य शुरू हो पाया। फोरेसिंक टीम भी गुप्तकाशी पहुंच गई हैं। प्रशासन का दावा है कि केदारनाथ में फंसे सभी तीर्थयात्रियों को निकाल लिया गया है। केदारनाथ में एनडीआरएफ और आईटीबीपी के जवान सर्च एंड रेस्क्यू ऑपरेशन चला रहे हैं।

बृहस्पतिवार को गौरीकुंड से साढ़े तीन किमी ऊपर जंगलचट्टी और आसपास फंसे 50 लोगों को निकालने के लिए पैदल मार्ग से बचाव दल गया, लेकिन कमजोरी के कारण कई यात्री इस हालात में नहीं थे कि उनको पैदल नीचे लाया जा सके। एसपी बीजे सिंह ने बताया कि जंगलचट्टी के नजदीक हैलीपैड बनाया गया है। इन लोगों को चॉपर से लाया जाएगा।

वहीं गुप्तकाशी से 100 महेंद्रा मैक्स में 1200 यात्रियों को देहरादून, ऋषिकेश और हरिद्वार रवाना किया गया। चॉपर से गौरीकुंड में खाद्यान्न भिजवाया गया। प्रशासन ने दावा किया कि मुख्यमंत्री की घोषणा के अनुरूप प्रभावित श्रद्धालुओं को दो हजार रुपये की अंतरिम सहायता उपलब्ध कराई जा रही है। बृहस्पतिवार को जिला अस्पताल से एक चिकित्सक को गौरीकुंड में बीमार श्रद्धालुओं को उपचार हेतु भेजा गया है। केदारनाथ की घटना के बाद यात्रियों सहित कई लोग जंगलों में निकल गए थे, जिन्हें वासुकी ताल, जाल चौमासी, त्रियुगीनारायण ट्रैक से निकाला गया है। वहां से आए यात्रियों ने बताया कि ऑक्सीजन की कमी, बारिश में भीगने और भूख-प्यास से रास्ते में ही कई लोग दम तोड़ रहे हैं।